

न्यायालय राजस्व मण्डल, म० प्र० ग्वालियर

समक्ष

एम०के०सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 04-दो/96 निगरानी - विरुद्ध आदेश
दिनांक 17-5-1996 - पारित द्वारा - अपर आयुक्त, भोपाल
एवं होसंगावाद संभाग, भोपाल - प्रकरण क्रमांक
14 / 1995-96 पुनरावलोकन

रामचरण पुत्र गयाप्रसाद
ग्राम पिपरिया तहसील ग्यारसपुर
जिला विदिशा मध्य प्रदेश

---आवेदक

विरुद्ध
कोमलप्रसाद पुत्र गोरेलाल
ग्राम पिपरिया तहसील ग्यारसपुर
जिला विदिशा मध्य प्रदेश

---अनावेदक

(आवेदक के अभिभाषक श्री धर्मेन्द्र चतुर्वेदी)
(अनावेदक सूचना उपरांत अनुपस्थित-एकपक्षीय)

आ दे श

(दिनांक 2-2-2016 को पारित)

अपर आयुक्त, भोपाल एवं होसंगावाद संभाग, भोपाल
द्वारा प्रकरण क्रमांक 14 / 1995-96 पुनरावलोकन में पारित
आदेश दिनांक 17-5-96 के विरुद्ध यह निगरानी मध्य प्रदेश
भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की
गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि अपर आयुक्त, भोपाल एवं
होसंगावाद संभाग, भोपाल ने प्रकरण क्रमांक 33/94-94 निग.



में पारित आदेश दिनांक 17-11-95 को पुनरावलोकन में लेकर आदेश दिनांक 17-5-1996 पारित किया तथा आदेश के अंतिम पद में निगरानी मान्य करने के स्थान पर अमान्य शब्द टंकित होने से त्रुटि सुधार किया । इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी प्रस्तुत की गई है।

3/ निगरानी मेमो में उठाये गये बिन्दुओं पर आवेदक के अभिभाषक के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

4/ आवेदक के अभिभाषक का तर्क है कि अनावेदक ने मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 152 के तहत आवेदन दिया था, जिसे पुनरावलोकन आवेदन नहीं माना जा सकता, परन्तु इस आवेदन पर अपर आयुक्त ने पुनरावलोकन प्रकरण दर्ज कर आदेश दिनांक 17-11-1995 में सुधार करने की त्रुटि की है, इसलिये निगरानी स्वीकार की जावे।

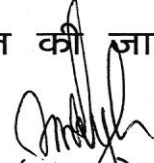
5/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायालय के आदेश दिनांक 17-11-1995 एवं आदेश दिनांक 17-5-1996 के अवलोकन पर स्थिति यह है कि आदेश दिनांक 17-11-95 का संपूर्ण भाग एवं निकाले गये निष्कर्ष सही है परन्तु आदेश के अंतिम पद में निगरानी मान्य करने के स्थान पर भूलवश टंकण त्रुटि से अमान्य शब्द लिखा हो गया है जिसे पुनरावलोकन में लेकर आदेश दिनांक 17-11-95 से सुधारा गया है। इन दोनों आदेशों को पारित करने वाले अधिकारी एक ही पीठासीन अधिकारी रहे हैं। मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 51 में व्यवस्था दी गई है कि ऐसा राजस्व अधिकारी जिसने आदेश पारित किया है आदेश का पुनर्विलोकन कर सकेगा, यदि उसके पूर्वाधिकारी द्वारा आदेश



R

पारित किया गया है, तब उसे वरिष्ठ की अनुमति लेना आवश्यक है। परिणामतः अपर आयुक्त ने स्वयं द्वारा पारित आदेश दिनांक १७-११-१९९५ में हुई टंकण त्रुटि को आदेश दिनांक १७-५-१९९६ से दुरुस्त करने में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं की है।

६/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपर आयुक्त, भोपाल एवं होसंगावाद संभाग, भोपाल द्वारा प्रकरण क्रमांक १४ /१९९५-९६ पुनरावलोकन में पारित आदेश दिनांक १७-५-९६ उचित पाये जाने से यथावत् रखते हुये निगरानी निरस्त की जाती है।



(एम०के०सिंह)

सदस्य

राजस्व मण्डल

मध्य प्रदेश ग्वालियर

B